

155, 6, 4, 31, 4, 5, 36, 3. — b) *rund* AK. 3, 2, 19, 3, 4, 22, 81. TAİK. 3, 3, 182. H. 1467. an. 2, 197. MED. t. 60. HALĀJ. 4, 69. वृत्तमिव किं शिष्यम् ÇAT. Bā. 7, 5, 2, 38. KĀTJ. Çā. 17, 5, 3. °पुष्कर 1, 3, 38, 15, 6, 30. वृत्तपीनाभ्यां भुजाभ्याम् MBh. 3, 1774. दीर्घवृत्तभुज R. GORR. 2, 52, 3. वृत्तापतभुज 64, 18. ऊरु 5, 2, 18. ङङ्गे 6, 23, 11. वृत्तानुपूर्वे ङङ्गे KUMĀRAS. 1, 35. चारुवृत्तयोधरा MBh. 3, 2664. स्तनौ 4, 392. R. 3, 52, 25. स्तनौ समवृत्तौ Bhāg. P. 4, 25, 24. °पार्श्व R. 3, 23, 15. तनुवृत्तमध्य RAGH. 6, 32. VARĀH. Bṛh. S. 34, 4. 56, 23. 26. 58, 58. 67, 7. Verz. d. Oxf. H. 97, b, 9. 12. 151, a, 9. — c) *erfolgt, geschehen, Statt gefunden habend*: किं वृत्तम् R. 6, 71, 15. PRAB. 84, 17. चिरवृत्तमपि क्षेत्रप्रत्ययमिव दर्शितम् R. 1, 4, 16. अथदानं कर्म वृत्तम् (so ist zu schreiben) AK. 3, 3, 3. संबन्धमाभाषणपूर्वमाहुर्वृत्तः स नौ संगतयोर्वनात्ते RAGH. 2, 58. समाज्ञः सुमहान्वृत्तः *fand Statt* R. 5, 27, 19. वृत्तं रक्तः प्रणयमप्रतिपद्यमाने ÇIK. 119. BHATT. 6, 27. वंशजये वृत्ते RĀGĀ-TAR. 5, 242. °संकेत 3, 374. °चौल (°चूड ed. Calc.) RAGH. 3, 28. अवृत्ततद्विवाहा KATHĀS. 33, 214. वृत्तेन चैव मुक्तेन प्रवर्णणेन so v. a. *frei geworden* 18, 306. क्लेशान्दादशवर्षवृत्तान् *zwölf Jahre gewährt* MBh. 7, 6147. — d) *abgemacht, absolviert*: एतद्वत् पुरस्तात् MAITRĀJUP. 1, 2. = अधीत P. 7, 2, 26. TAİK. H. an. MED. व्याकरण P., Schol. वृत्ता गुणाप्रकाशेण so v. a. *sich zu eigen gemacht* Vop. 26, 111. — e) *vorhanden, da seiend*: वृत्तौज्ञम् adj. = श्रेयस्वत् (वृत्त = अग्रप्रतिष्ठ KULL.) M. 1, 6. — f) *vergangen, verfließen, verstrichen, zu Ende gegangen* AK. 3, 4, 22, 81. H. an. MED. अमावास्यायां वृत्तायाम् KAUSH. Up. 2, 8. उत्सवे वृत्तमात्रे MBh. 1, 7652. 3, 1839. HARIV. 6714. वृत्ता रजनी R. 3, 5, 4. 68, 27. 4, 58, 4. वृत्ते शरावसंपाते M. 6, 56. VARĀH. Bṛh. S. 24, 11. 26, 14. HIT. IV, 1. वर्तमान, वृत्त, वर्तिष्यमाण SARVADĀRṢANAS. 10, 6. वृद्धे भाविनि वा रणे AK. 2, 8, 3, 71. H. 802. — g) *mit dem es vorüber ist, der dahin ist, gänzlich erschöpft* (= आगत Comm.): प्रज्ञापतिः प्रज्ञाः सृष्ट्वा वृत्तौ ऽशयत् TBR. 1, 2, 6, 1. — h) *verstorben* H. an. MED. M. 3, 221. 9, 195. 217. R. 2, 51, 18. 67, 33. 73, 1. 6. 77, 22. 86, 18. R. GORR. 2, 95, 11. 97, 11. 3, 65, 8. अ° 6, 8, 10. — i) *verfahren seiend gegen* (loc.), *sich benommen habend*: स च तस्या कार्यं वृत्तः R. 5, 56, 2. सम्पद्यवृत्तः सदा खयि MBh. 3, 2284. 14, 77 (nach der Lesart der ed. Bomb.). Spr. (II) 1838. — k) = दृढ *fest* u. s. w. AK. H. an. MED. — l) = वृत्त *erwählt* AK. 3, 2, 41. H. 1484. H. an. MED. — 2) m. a) *Schildkröte* (rund) RĀGĀN. im ÇKDr. — b) *eine Grasart*, = वृत्तगुण्ड RĀGĀN. im ÇKDr. u. d. letzten W. — c) *eine runde Kapelle* VARĀH. Bṛh. S. 56, 18. — d) N. pr. eines Schlangendämons MBh. 1, 1555 (वृत्तसंवर्तकौ mit der ed. Bomb. zu lesen). 5, 3630. — e) *fehlerhaft für वृत्र* (so ed. Bomb.) MBh. 12, 3660. — 3) f. आ a) *ein best. Arzneistoff* (रूपका) RĀGĀN. im ÇKDr. — b) *Bez. verschiedener Pflanzen*: = किष्किरिष्टा, प्रियङ्गु und मांसरोहिणी ebend. — c) = वृत्ता *ein best. Metrum*: 4 Mal 〰〰〰, 〰〰〰〰 — COLEBR. Misc. Ess. II, 160 (VI, 10). Ind. St. 8, 377. — 4) n. (m. n. gaṇa अर्थवर्चदि zu P. 2, 4, 31). a) *Kreis* COLEBR. Alg. 87. GAṆIT. TRIPHAṆ. 8. वृत्तस्य मध्यं किल केन्द्रमुक्तम् GOLĀDRJ. 5, 41. Z. f. d. K. d. M. 2, 427. WEBER, RĀMAT. Up. 308. fgg. 316. 324. *Epicykel* SŪRYAS. 2, 38. — b) *das Vorkommen, Erscheinen, Gebrauchtwerden*: बहुलमासां नैध-एकं वृत्तमाश्रयमिव प्राधान्येन Nir. 2, 24. 11, 2. RV. PRĪT. 16, 49. नकारस्योष्मवद्धत्तम् so v. a. *die Verwandlung eines n in einen ūshman* 10, 13. — c) *Erscheinung*: क्षणिकमिति समस्तं विद्धि संसारवृत्तम् Spr. (II)

2031. किं° *eine Form von किम्* P. 3, 3, 6. 144. 8, 1, 48; vgl. यद्धत्. — d) *Ereigniss, Begebenheit* SĀH. D. 559. GAUPAP. zu SĀMĀHJAK. 59. चित्तात्-र्दृश्यते वृत्तं किमेतत् so v. a. *was sieht man dort vorgehen?* KATHĀS. 25, 101. न मार्गवृत्तमेतन्मे वाच्यं पितृगृहे त्वया 58, 116. रात्रौ वृत्तं ममाग्र यत् 69, 22. 32. रात्रि° 73, 319. तथा सर्ववृत्तं रात्रिकुमारमपि कथितम् Z. d. d. m. G. 14, 574, 20. इङ्गुदी° *was sich bei der Iṅgudī zugetragen hat* R. 2, 88 (96 GORR.) in der Unterschr. — e) *Sache, Angelegenheit* R. 1, 68, 16. 70, 8. KATHĀS. 12, 137. — f) *Lebensart, Lebenswandel, Betragen, Benehmen, Handlungsweise, Thun und Treiben* AK. 3, 4, 22, 81. 203, 203. H. 838. 844. H. an. MED. HALĀJ. 2, 242. ÇAT. Bā. 14, 7, 3, 1. TAITT. Up. 1, 11, 3. अनेन विप्रो वृत्तेन वर्तयन् M. 4, 260. 5, 166. 7, 122. 135. 8, 86. 187. 9, 301. सती वृत्तमनुष्ठिताः 10, 127. JĀGĀN. 3, 44. MBh. 3, 1877. 12476. 13, 2167. R. 1, 2, 35. वृत्तमीदृशम्। आचरन्त्या 2, 35, 12. 40, 6. 102, 4. कस्य यास्याम्यहं वृत्तम् 109, 8. KĀM. NĪTIS. 3, 86. 13, 58. शत्रौ 8, 57. Spr. (II) 930-1820. KUMĀRAS. 6, 12. बाल्यवृत्तानि (so ed. Bomb.) MBh. 3, 16865. रजनी° 1868. उदार R. 1, 2, 45. प्रभैर्वृत्तैः Spr. 4256. मरुद्भुतम् 4859. पर्वता इव निष्कम्पा वृत्ते मरुति तस्थुषः (तस्थिवासो मरुवृत्ते निष्कम्पा इव पर्वताः die neuere Ausg.) HARIV. 4136. मरुता° adj. R. 2, 112, 5. स्वच्छ° adj. KĀM. NĪTIS. 5, 79. 48 (wo wohl eben so zu lesen ist). शुक्लता° adj. MBh. 14, 2713. न्याय° adj. M. 7, 32. R. 3, 75, 47. कल्याणवृत्ता 1, 12. 53, 54. राजवृत्तं चतुर्विधम् Spr. 1639. कुरु प्रियसखीवृत्तं सपत्नीज्ञे ÇIK. 93, v. 1. श्रापयपि सतीवृत्तं किं मुञ्चति कुलत्रियः KATHĀS. 3, 14. कामिज्ञन°, स्व° DAÇAK. 65, 17. पृथिव्याश्च तेजोवृत्तं नृपद्योरेत् M. 9, 308. उक्तितर्धैर्यवृत्तम् adv. VIKR. 147. लोभ° adj. R. 4, 17, 33. यद्धत्ताः सन्ति राजानस्तद्धत्ताः सन्ति मानवाः Spr. (II) 1632. यन्मातापितरौ वृत्तं तनये कुरुतः सदा so v. a. *was Mutter und Vater an einem Sohne thun* R. 2, 111, 9. — g) *richtiger Wandel, gutes Betragen, richtiges Benehmen* ĀÇV. GṆU. 4, 7, 2. विद्याचरणवृत्तशीलसंपन्न KAUC. 67. नष्टः खलु भारतानां धर्मस्तथा तत्रविदा च वृत्तम् MBh. 2, 2236. R. 2, 33, 11. 83, 16. Spr. (II) 2351. 2593. (I) 2023. कुलं वृत्तेन र-द्वयते 3134. 4345. वृत्तं यत्नेन संरतेत्। वृत्ततस्तु कृतो कृतः 5030. MBh. 3, 17894. शीलवृत्तेन R. 1, 58, 20. 77, 24. °संपन्न M. 8, 179. R. 1, 48, 26. 6, 103, 6. श्रुतवृत्तोपपन्न M. 9, 244. श्रुतवृत्ताद्य R. GORR. 1, 79, 16. वृत्ते स्थितस्याधिपतेः प्रज्ञानाम् RAGH. 5, 33. °होन Spr. 4278. तत्रवृत्ते स्थितः MBh. 7, 6741. — h) *Lebensunterhalt*, = वृत्ति H. an. MED. वृत्तानामेष (die neuere Ausg. richtiger वृत्तानामेष) वो दाता भविष्यति नराधिपः HARIV. 335; vgl. 336. — i) *Rhythmus des Verschlusses* RV. PRĪT. 1, 15. 17, 13. 16. 22. — k) *ein Metrum mit bestimmter Silbenzahl* (auch *Metrum* überh.) AK. H. an. MED. Ind. St. 8, 180. 289. 326. fgg. 468. KĀVYĀD. 1, 11. ÇAUT. 43. SĀH. D. 566. कृत 220, 15. VARĀH. Bṛh. S. 54, 99. 110. 104, 2. 58 (hier zugleich *gutes Betragen*). 60. Bṛh. 1, 2. — l) *ein aus 10 Trochäen bestehendes Metrum* COLEBR. Misc. Ess. II, 163 (XV, 2). Ind. St. 8, 400. — Vgl. आर्य°, इति°, उदीच्य°, एवं° (auch JĀGĀN. 3, 155), काम°, किं°, खण्डित°, गण°, गुरु°, कन्दे°, डर्वत्त, दृग्वृत्त, पाद°, पुरा°, पुरी°, पूर्व°, प्राग्वत्, भिन्न°, मङ्गलादेश°, मध्य°, मात्रा°, यथा°, यद्धत् (adj. *wie sich betragend* Spr. (II) 1632), राज° (auch MBh. 2, 1950. R. 1, 52, 7 = 53, 7 GORR.), लोक° (das Verfahren des grossen Haufens, der Unterthanen) MBh. 2, 1950. 4, 90), वर्ण°, वस्तु°, विषम°, सद्धत्, साधु°, सु°.

वृत्तक 1) am Ende eines adj. comp. = वृत्त *Metrum* SĀH. D. 559. —